

दुनियाँ पूरी भँवर जाल है-बच के चुम रहना ॐssss
आँख अगर तेरी देख रही है

मुँह से तो कहना-... दीवाने-मुँह से-...

* समय की गति निराली, खड़ी है खप्पर वाली ॥२॥

सुनें कान जो कड़वी बातें, चुपके से सहनाsss दीवाने-...

चुपके से सहना--आँख अगर--दुनियाँ पूरी--

* काल का चक्र चला है, सामने खड़ी बत्ता है ॥२॥

उल्टी हवा चली है वन्देsss साथ नहीं बहनाsss ॥२॥ दीवानेsss

साथ नहीं बहना--आँख अगर--दुनियाँ पूरी--

* काम ही काम दिखाये, साथ में कुद् न जाये ॥२॥

बचा समय कम ओ बेगानेsss पड़ा रहे गेहनाsss ॥२॥ दीवानेsss

पड़ा रहे गेहना--आँख अगर--दुनियाँ पूरी--

* कहें बाबा मरताना, सभी को रुक सा जाना ॥२॥

घर आँगन सुंदर हों तेरे, मिल-जुल कर रहनाsss ॥२॥ दीवानेsss

मिल-जुल कर रहना--आँख अगर--दुनियाँ पूरी--

* अभी तक बहुत कही है, राह न रुक गही है ॥२॥

गृह विधि मानो श्री बाबा श्री की सबसे ना कहनाsss ॥२॥ दीवानेsss

सबसे ना कहना--आँख अगर--

दुनियाँ पूरी--